Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 3

**(1108)**

## UG (CBCS) RUSA Vth Semester (Old) Examination

# 1441

## SANSKRIT

## (Ved, Vedang, Natya Tatha Vyakaran)

(Major)

**BASKT-0512**

**Time : 3 Hours]** **[Maximum Marks : 70(100)**

**नोट :–** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कोष्ठक में दिये गये अंक ICDEOLपरीक्षार्थियों के लिए है।

1. (क) निम्नलिखित प्रश्नानाम् उत्तराणि अतीव संक्षेपेण एकपदेन वा लिखत–

   (i) वेदाः कतिः ? के च ते ?

   (ii) रसस्याङ्गिनो धर्माः के ?

   (iii) सामवेदसम्बद्धः ऋत्विक् कः ?

   (iv) क्रियायाः साधनः कः ?

   (v) शिवसङ्कल्पसूक्तम् कस्य वेदस्य अंगः वर्तते ?

   (vi) अष्टकक्रमानुसारेण ऋग्वेदे वर्गाणां संख्या का ?

   (vii) वेदपुरुषस्य मुखः कः ?

(viii) काव्यदीपिकाकारः कः ?

(ix) अन्धतमः के प्रविशन्ति ?

(x) ऐतरेयाण्यकः कस्य वेदस्य अंगः ? 10×1=10

(ख) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(i) माधुर्य और प्रसाद गुणों की विशेषताएँ लिखिए।

(ii) शिवसंकल्पसूक्त के आलोक में मन की विशेषताएँ लिखिए।

(iii) कर्म और सम्प्रदान कारकों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

(iv) व्याकरण के प्रयोजन लिखिए।

(v) उपनिषद् ग्रन्थों का वर्ण्य विषय स्पष्ट कीजिए। 5×4=20(5×6=30)

2. किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए–

ऋग्वेदसंहिता का विस्तृत परिचय दीजिए।

**अथवा**

यजुर्वेद संहिता का विस्तार में परिचय दीजिए। 10(15)

3. निम्न में से किन्हीं **दो** उपनिषदीय मंत्रों का सरलार्थ लिखिए–

(क) यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवैति।
दूरंगमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु॥

(ख) सुषारथिरश्वानिव यन्मनुष्यान्नेनीयतेऽभीशुभिर्वाजिन इव।
हृत्प्रतिष्ठम् यवजिरम् जविष्ठं तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु॥

(ग) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजिविषेच्छतं समाः।

एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरः॥

(घ) यस्तु सर्वाणि भूतानि आत्मन्येवानुपश्यति।

सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विजुगुप्सते॥

2×5=10
(2×7½=15)

4. निम्न में से किन्हीं **दो** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) यस्मान्न ऋते किञ्चन कर्म क्रियते तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।

(ख) तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।

(ग) यस्मिन्नृचः सामयजूंषि यस्मिन्प्रतिष्ठा रथनाभाविवाराः।

(घ) अग्ने नय सुपथा राये अस्मान् विश्वानि देव वमुनानि विद्वान्।

2×5=10
(2×7½=15)

5. किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए–

वेदांगों का सामान्य परिचय लिखिए।

**अथवा**

ईशावास्योपनिषद् का परिचय देते हुए उसके वर्ण्य विषय पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

**अथवा**

शतपथ ब्राह्मण का विस्तृत परिचय दीजिए। 10 (15)